www.facebook.com/rashtriyasahara
संडे
राष्ट्रीय सहारा

सीएसए को मिला औरैया कृषि विज्ञान केंद्र

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या अब 14 हो जायेगी। वर्तमान में गैर सरकारी संस्था द्वारा संचालित औरैया कृषि विज्ञान केन्द्र के संचालन का दायित्व भी सीएसए को सौंपा जा रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली और उप्र शासन से इसको लेकर स्वीकृति मिल चुकी है। आईसीएआर और शासन के शर्तों के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र औरैया में पूर्व में कार्यरत समस्त तकनीकी/गैर तकनीकी स्टाफ को कृषि विज्ञान केन्द्र औरैया में विलय किया जायेगा।

विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि औरैया कृषि विज्ञान केन्द्र औरैया के विधूना मौजा गुहारी में 20.68 हेक्टेयर क्षेत्रफल में संचालित है। उन्होंने बताया कि सीएसए के अधीन अभी तक 13 कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित हैं। अब औरैया के समावेश से कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या 14 हो गई है। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र के माध्यम से जिले के बेरोजगारों को कृषि उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करने के साथ ही किसानों के हित में विभिन्न कार्य किये जायेंगे।

सीएसए के पास अब 14 कृषि विज्ञान केंद्रों को संचालित करने का जिम्मा

वर्ष 16 अंक 09 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 09 जनवरी 2022
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

सीएसए को मिला औरैया कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. डीआर सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के नियंत्राधिन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र औरैया के विधिवत संचालन हेतु स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय के अधीन पूर्व में 13 कृषि विज्ञान केंद्र संचालित हैं। औरैया कृषि विज्ञान केंद्र के मिल जाने से कुल 14 कृषि विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय के नियंत्रण अधीन हो गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र औरैया अभी तक गैर सरकारी संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा था। आईसीएआर और शासन की शर्तों के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्र औरैया में पूर्व में कार्यरत समस्त तकनीकी /गैर तकनीकी स्टाफ को कृषि विज्ञान केंद्र औरैया में विलय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा नवसृजित कृषि विज्ञान केंद्र जनपद औरैया के तहसील बिधूना,मौजा गुहरी में 20.68 हेक्टेयर भूमि पर संचालित किया जाएगा। कुलपति डॉक्टर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र संचालित होने से किसानों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की स्थापना से जनपद के किसानों को कृषि संबंधी जैसे-उद्यान, फसलों के अलावा पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिससे कि जनपद के बेरोजगार युवा कृषि उद्यमी बन कर आत्मनिर्भर बने।

दैनिक जागरण कानपुर 09/01/2022

बारिश से गेहूं को फायदा, आलू को नुकसान

जागरण संवाददाता, कानपुर : बेमौसम बारिश गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद हो सकती है, लेकिन आसमान पर छाए बादलों के कारण आलू में झुलसा रोग लगने की आशंका बढ़ गई है। यही नहीं, जिन फसलों में फूल खिल गए हैं, बारिश से उनके फूल झड़ने की भी आशंका है, इससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. वाईपी मलिक ने किसानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। इसके लिए फसलों में जरूरी दवा का छिड़काव व प्रबंधन को जरूरी बताया है।

डा. मलिक ने बताया कि बेमौसम बारिश से रबी की फसल गेहूं, जौ, तिलहन और दलहन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे किसानों की एक सिंचाई की बचत हुई है। हालांकि जैसे ही तापमान बढ़ेगा, मटर की फसल में चूर्णित आसिता रोग लगने की आशंका है। लगातार बादल छाए रहने से आलू में झुलसा रोग लगने की आशंका है। उन्होंने बताया कि फसलों में ज्यादा नमी होने पर कवक व जीवाणु जनित रोग होने के साथ ही कीड़ों का आक्रमण होने की आशंका रहती है।

दवाओं का करें फसलों पर छिड़कावः डा. मलिक के मुताबिक चूर्णित आसिता रोग की शुरुआत होने पर किसान एक ग्राम मैंकोजेब व एक ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति लीटर पानी में घोलकर फसलों पर छिड़काव कर दें। अगर फसल में झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दें तो मैंकोजेब और कार्बेंडाजिम की ढाई ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।